

प्रसाधारस

EXTRAORDINARY

भाग П—जण्ड 3—उपजण्ड (11)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 431]

मई विल्ली, शुक्रवार, नवस्वर 15, 1968/कार्तिक 24, 1890

No. 431)

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 15, 1968/KARTIKA 24, 1890

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रालग संकलन के इप में रखा जा रूके । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th November 1968

- S.O. 4098.—The Central Government, having considered in consultation with the Forward Markets Commission, the application for renewal of recognition made under section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), by the Southern Gujarat Oilseeds Merchants' Association Ltd., Kapasia Hall, Palej, and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by section 6 of the said Act, recognition to the said Association for a further period of two years from the 16th November, 1968 upto the 15th November, 1970, (both days inclusive) in respect of forward contracts in cottonseed.
- 2. The recognition hereby granted is subject to the condition that the said Association shall comply with such directions as may from time to time be given by the Forward Markets Commission.

[No. F. 12(14)-CG/68.]

H. K. KOCHAR, Jt Secy

वासिक्य मंत्रालय

भ**ष्टिस्**चना

नई विल्ली, 15 नवस्वर, 1968

एस० भी० 4099.— फेर्न्सीय सरकार दिक्कण गुजरात तिलहेंन व्यापारी संगम लिमिटेड कपासिया हाल, पालेज, द्वारा प्रिम संविदा (विनियमन) ग्रिधिनयम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के ग्रिधीन, मान्यता के नवीकरण के लिए दिए गए ग्रावेदन पर वायदा जिल्ला श्रायोग के परामणें से विचार करके ग्रीर ग्रपना यह समाधान होने पर कि ऐसा करना व्यापार के हित में ग्रीर लोक हित में भी होगा, उक्त ग्रिधिनयम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त ग्रिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त संगम को, विनोलों भे ग्रिपिम संविदाशों के बारे में 16 नवम्बर, 1968 से 15 नवम्बर, 1970 तक (जिनके अन्तर्गत यह दोनों दिन भी ग्राते हैं) दो वर्ष की ग्रितिरक्त कालाविध के लिए एतद्वारा मान्यता ग्रनुवंस करती है।

2. एतर् द्वारा अनुवत्त मान्यता इस गर्त के अध्याधीन है कि उक्त संगम ऐ से निदेशों का पालन करेगा जैसे कि वायवा आजार आयोग द्वारा समय-समय पर दिए जाए ।

> [सं॰ फा॰ 12(14)-सी जी/68] इ॰, कृ॰ कोचर, संगुक्त सस्बिब ।